IAS GS World PCS
Committed To Excellence

विशिष्ट संपादकीय सारांश

08 मई 2024

द हिन्दू

प्लास्टिक समाधानः वैश्विक प्लास्टिक संधि से परे

पेपर- III (पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी)

प्लास्टिक के इस्तेमाल को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के कम से कम 175 सदस्य देशों की एक महत्वाकांक्षी पहल, वैश्विक प्लास्टिक संधि की चौथे दौर की वार्ता हाल ही में संपन्न हुई। मकसद 2024 के अंत तक ऐसे समय-सीमा के साथ एक कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप देना है, जब सभी देशों को प्लास्टिक उत्पादन पर अंकुश लगाने, बर्बादी पैदा करने वाले इसके इस्तेमाल को खत्म करने, इसके उत्पादन में इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ रसायनों पर प्रतिबंध लगाने और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सहमत होना होगा। बदकिस्मती से, कोई समझौता नजर नहीं आ रहा है। इस साल नवंबर में दक्षिण कोरिया के बुसान में वार्ता का एक और दौर निर्धारित है। प्राथ. मिक बाधाएं आर्थिक हैं। सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, भारत और ईरान जैसे तेल उत्पादक एवं शोधक (रिफाइनिंग) देश प्लास्टिक उत्पादन को खत्म करने के लिए किसी सख्त समय सीमा के प्रति अनिच्छुक हैं। कई यूरोपीय देशों द्वारा समर्थित अफ्रीकी देशों का गठबंधन कटौती की समय-स. ीमा को प्रभावी करने के लिए 2040 के आसपास के किसी साल के पक्ष में है। इस बात को लेकर भी असहमति है कि संधि में विवादास्पद तत्वों पर फैसला मतदान से हो या सर्वसम्मत निर्णय से - जिसका सीधा अर्थ यह है कि हर देश के पास वीटो हो। बाध्यकारी लक्ष्यों के प्रति असहज होने के अलावा, भारत की राय यह है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी एक उपकरण को "... क्षमता निर्माण एवं तकनीकी सहायता, प्रौद्योगि. की हस्तांतरण और वित्तीय सहायता के

प्लास्टिक से संबंधित वैश्विक पहल कौन-सी हैं?

(a) UNEP प्लास्टिक पहल : इसका उद्देश्य प्लास्टिक के प्रवाह को कम करके और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को बढ़ावा देकर वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। यह प्लास्टिक के नवाचार, कटौती और पुनः उपयोग पर केंद्रित है। इसके लक्ष्यों में इस समस्या के आकार को कम करना, प्लास्टिक पुनर्चक्रण के लिये डिजाइन करना, पुनर्चक्रण को व्यवहार में लाना तथा प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन करना शामिल है। वर्ष 2027 तक, इस पहल का लक्ष्य 45 देशों में प्लास्टिक नीतियों में सुधार करना, 500 निजी क्षेत्र के कर्मियों को पुनर्चक्रण समाधानों में सम्मिलित करना तथा इस परिवर्तन का सहयोग करने के लिये 50 वित्तीय संस्थानों को सम्मिलित करना है।

(b) वैश्विक पर्यटन प्लास्टिक पहल : इसका उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण से बचने के लिये पर्यटन हितधारकों को एकजुट करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) के नेतृत्व में यह पहल प्लास्टिक कचरे को कम करने और उनके संचालन में प्लास्टिक के उपयोग में सुधार करने में संगठनों का समर्थन करती है। यह वर्ष 2025 तक इस पहल को निजी क्षेत्र, पर्यटन स्थलों तथा संगठनों में लागू करने के लिये प्रतिबद्ध है।

(c) सर्कुलर प्लास्टिक इकोनॉमी : 2015 में, EU ने एक सर्कुलर इकोनॉमी एक्शन प्लान बनाया, जिसमें बाद में एक सर्कुलर इकोनॉमी में प्लास्टिक प्रबंधन के लिये यूरोपीय रणनीति शामिल थी। यह पहल प्लास्टिक उत्पादों के पुनः उपयोग की अधिक उपयोगी विधि बनाकर तथा एकल-प्रयोग प्लास्टिक से हटकर प्लास्टिक कचरे की मात्रा को सीमित करने में सहायता करता है।

(d) प्लास्टिक पर प्रतिबंध : कई देशों ने प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। वर्ष 2002 में बांग्लादेश पतली प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश था। चीन ने वर्ष 2020 में चरणबद्ध कार्यान्वयन के साथ प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लागू किया। अमेरिका में 12 राज्यों ने एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरोपीय संघ ने जुलाई 2021 में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर निर्देश लागू किया, जो कुछ एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाता है जिसके लिये कई विकल्प उपलब्ध हैं, जिनमें प्लेट, कटलरी, स्ट्रॉ, बैलून स्टिक, कॉटन बड्स, विस्तारित पॉलीस्टाइन कंटेनर और ऑक्सो-डिग्रेडेबल प्लास्टिक उत्पाद शामिल हैं।

प्लास्टिक से संबंधित भारतीय पहल कौन-सी हैं?

A. प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2024
B. प्लास्टिक निर्माण और उपयोग (संशोधन) नियम (2003)
C. UNDP भारत का प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम (2018-2024)
D. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा EPR पोर्टल
E. भारत प्लास्टिक समझौता
F. प्रोजेक्ट रीप्लान

लिए लागत संबंधी निहितार्थों तथा निर्दिष्ट व्यवस्था सहित विभिन्न विकल्पों की उपलब्धता, सुलभता व किफायती होने" पर भी ध्यान देना चाहिए। यह भाषा - और भारत इसका एकमात्र प्रस्तावक नहीं है - जलवायु वार्ता में निहित 'साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारी' के सिद्धांत की याद दिलाती है। इसके तहत, सभी देशों के सामने एक साझा लक्ष्य होना चाहिए लेकिन जो ज्यादा विशेषाधिकार प्राप्त देश हैं उन्हें दूसरे देशों की सहायता करनी चाहिए और खुद के लिए कड़े लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।

जिस साल प्लास्टिक संधि पर विचार किया गया था, 2022 में, भारत ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम (2021) को लागू किया। इस नियम के तहत "एकल-उपयोग" वाले प्लास्टिक की 19 श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि, इसमें प्लास्टिक की बोतलें - यहां तक कि 200 मिलीलीटर से कम की बोतलें - और बहु-स्तरीय पैकेजिंग बक्से (जैसे दूध के डिब्बे) शामिल नहीं हैं। इसके अलावा, एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर भी प्रतिबंध को राष्ट्रीय स्तर पर समान रूप से लागू नहीं किया गया है और कई दुकान इन वस्तुओं की खुदरा बिक्री को जारी रखे हुए हैं। गैर-लाभकारी ईए अर्थ एक्शन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्लास्टिक प्रदूषण का वैश्विक वितरण असमान है और 60 फीसदी प्लास्टिक कचरे के लिए ब्राजील, चीन, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका जिम्मेदार हैं। जिस तरह जीवाश्म ईंधन से दूर हटने की अपनी चुनौतियां हैं, उसी तरह प्लास्टिक प्रदूषण को सिर्फ संधियों पर हस्ताक्षर करके खत्म नहीं किया जा सकता है। यथार्थवादी लक्ष्य तय करने से पहले वैकल्पिक उत्पादों में बहुत ज्यादा निवेश करने और उन्हें किफायती बनाने की जरूरत है।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : वैश्विक प्लास्टिक संधि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने 2024 के अंत तक प्लास्टिक प्रदूषण पर एक बाध्यकारी संधि बनाने का निर्णय लिया है।
2. वैश्विक प्लास्टिक संधि पर चर्चा करने के लिए कनाडा के ओटावा में हाल ही में चौथे दौर की वार्ता हुई है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements in the context of the Global Plastics Pact-

1. The United Nations Environment Assembly has decided to create a binding treaty on plastic pollution by the end of 2024.
2. Recently, the fourth round of talks was held in Ottawa, Canada to discuss the global plastic treaty.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 and nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक प्लास्टिक संधि के महत्व पर प्रकाश डालें? संधि में क्या बाधाएँ हैं?

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में वैश्विक प्लास्टिक संधि को समझाएं।
- दूसरे भाग में वैश्विक प्लास्टिक संधि के महत्व तथा इसकी राह में मौजूद बाधाओं का उल्लेख करें।
- अंत में अपने सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अत: इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।